

जगत प्रसाद LITTAI PRADHAN



विक्रय विवेक

| | |
|--------------|--------------|
| दिल्ली मुंबई | ₹ 2,47,000/- |
| दिल्ली मुंबई | ₹ 2,55,000/- |
| दिल्ली मुंबई | ₹ 2,55,000/- |
| दिल्ली मुंबई | ₹ 2,55,000/- |

पुत्र विक्रम विवेक कन्या देवी पत्नी श्री राम गुजरा, निवासी रजकुमारपुर, पोस्ट मुडन्वा, जयनगर, मुद्रा देवी पत्नी श्रीमाला निवासी मज्जपुर इकना, पोस्ट बल्लभ, जिला लखनऊ व बल्लभ पत्नी लाल मल्ह निवासी

... ..

...
 ...
 ...
 ...
 ...

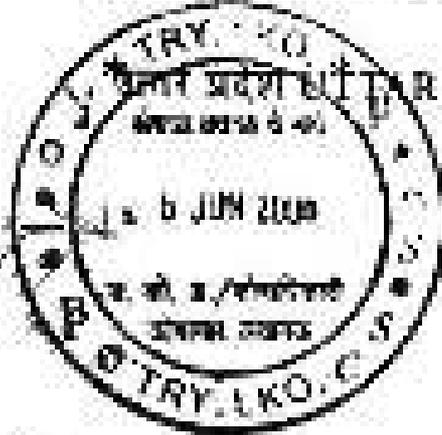
...
 ...
 ...

...
 ...
 ...
 ...
 ...

...

...

...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...
 ...



भारत प्रदेश

051434

- 2 -

मन्नेपुरा, जिला लखनऊ पुत्रीगण श्रीगती राना पत्नी प्रसाद जिन्हे आगे विक्रेतागण कहा गया है, एवम् फेयरवाथ रिथल स्टेट प्राइवेट लिमिटेड रजिस्टर्ड आफिस- 1101 टाक्सटॉय हाऊस, टाक्सटॉय मार्ग, नई दिल्ली, वर्तमान पता-तृतीय तल, वाई०एम०सी०ए० बिल्डिंग, 13-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ द्वारा अधिकृत हस्ताक्षरी श्री फे०के०सिंह, पुत्र स्व. महेन्द्र सिंह वर्तमान एवं स्थायी पता-तृतीय तल, वाई०एम०सी०ए० बिल्डिंग, 13-राणा

रुकी देवी

रुकी देवी





06/6 415012



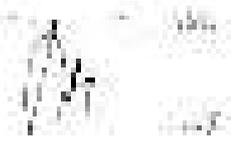
- 3 -

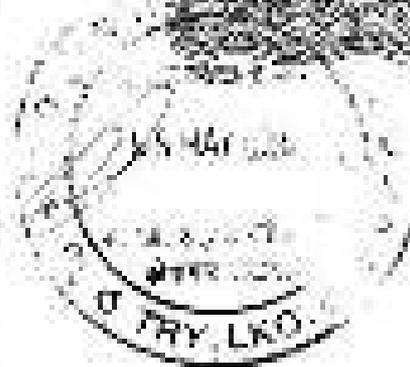
प्रमाण मार्ग लखनऊ जिले आगे क्रमांक कडा गया है के मूल निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रतागम भूमि खसरा नं० 57 रकबा 0.367 हेक्टेअर, खसरा नं० 144 रकबा 0.152 हेक्टेअर, खसरा नं० 202 रकबा 0.215 हेक्टेअर कुल राणा 0.734 हेक्टेअर के 1/2 भाग 0.367 हेक्टेअर व खसरा नं० 212 रकबा 0.072 हेक्टेअर, खसरा नं० 213 रकबा 0.059 हेक्टेअर, कुल रकबा 0.131 हेक्टेअर के सम्पूर्ण भाग, कुल राणा 0.485 हेक्टेअर, स्थित ग्राम मुजफ्फर

चन्द्रा देवी
 दिनांक 03/05/2014

दिनांक 03/05/2014





- 4 -

नगर घुलवल, परगना-विजनेर, सडरील व जिल, लखनवा, का
 मालिक, कानिल व काबिल है तथा समीकत सन्नाधित पटनाधिक
 खला खलाणी क्रम संख्या 130 व 150 के अनुसार भूमि
 विक्रेतागण के नाम का अन्त दरामद राजस्व अधिदाक्षी में हो
 गया है। विक्रेतागण अपना सम्पूर्ण हिस्सा कंता को इस विक्रय
 विरोध द्वारा विक्रय कर रहा है वितातागण समस्त सम्पूर्ण भूमि
 के मालिक, कानिल व काबिल है एवं वर्तमान समय में समस्त
 भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रेतागण यह सोचित करता है
 कि सम्पुका वर्गीत भूमि सभी प्रकार के गारी से मुक्त एवं पाक

हस्ताक्षर
 विक्रेतागण
 विक्रेतागण





- 5 -

य साक ई तथा विवेकागम ने उसे इस विषय के पूर्व कही ब्य, डिवा, गिरदी या अनुकूलित इत्यादि नहीं लिख है। उपरोक्त भूमि या बस्ती कोहें भाग किसी न्यायालय या अदालतों कायदाओं के अन्तगत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही बूकें इत्यादि है। विवेकागम के अलावा एक भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विवेकागम को सचत विषय अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त अनुमति के कलखपत्र नं० 547,800/- तिथिया पीछे साथ हीवालिच हजार आठ सौ मात्र के प्रतिफल में जिसका कि

चन्दी देवी

विवेकागम



विवेकागम



भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100



ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

4-456645

- 6 -

उपरोक्त जेता द्वारा विक्रेतागण को इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेतागण यहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार एक दिखोतागण लगा जेता के द्वारा उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विलेख के अन्त में अनुसूची के अर्न्तगत दिया गया है, को कगाई वेब दिया है, एवं विक्रेतागण ने विक्रयशुदा भूमि का बीके पर कब्जा जेता को रखने करा दिया गया है। अब जेता शासनी पर विक्रेतागण तथा उसके कारिदान का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेतागण ने विक्रयशुदा

उत्तर प्रदेश सरकार
मुख्य सचिव
लखनऊ

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100



ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 956549



सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए केंद्र को हस्तान्तरित कर दिया है। अब केंद्र विक्रयशुद्ध सम्पत्ति एवं उसके मूल्यक साथ को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति को स्वयं धारण एवं उपयोग व उपभोग करेगा। डिस्ट्रिक्ट गण उसमें किसी प्रकार की अडबटन याथा गही डाकू बर्केंटे एवं न ही कोई भाग कर सकेगा। और यदि विक्रयशुद्ध सम्पत्ति अथवा कोई भाग डिस्ट्रिक्ट गण के स्वामित्व में भुटि के कारण या कानूनी सहायता या कानूनी भुटि के कारण केंद्र या उसके वारिसान विध्यादतगण

विश्वनाथ शर्मा
सचिव देवरी
जिला न्यायालय
देवरी

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100



ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



-8-

इत्यादि के कर्ज या अधिकार या स्वत्व से निष्कृत जाये तो केवल उनके आदेशानुसार, निष्ठावकाश इत्यादि को गठ हक होगा कि यह अपने सम्बन्धत सुकालत एवं हर्षा व खर्चा, विकेलागण की गलत मन्त्र सम्पत्ति से करिटे अन्तर्गत मन्त्र कर से। इस स्थित में विकेलागण एवं एतके आदेशानुसार हर्षा व खर्चा देने हेतु बाल होगा।

यह कि केवल विकेलागण सम्पत्ति की नाशित कारिज एतके अभिलेखों में अपने नाम एवं कर ले तो विकेलागण को

कर दो देवे
श्री ३३ मुद्रा



४३३३३-४३३



अधिक व अधिक पथ से 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित हैं।
सिखतागवा अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है। इस विषय
बिलेड के निरक्षण पर शक्यत त्वय होता द्वारा कृत किया गया
है।

विहाजा यह विषय पर हम विखतागवा से जेता को पत्र
ने लिख दिया ताकि समझ रहे और आवश्यकता पड़ने पर कान
आते।

परिशिष्ट : निवर्ण विखतागवा सम्पत्ति का निवर्ण

शुभि कक्षा नं 57 रकबा 0.369 हेक्टेयर, कक्षा नं 144 रकबा
0.152 हेक्टेयर, कक्षा नं 282 रकबा 0.216 हेक्टेयर कुल
रकबा 0.734 हेक्टेयर के 1/2 भाग 0.367 हेक्टेयर व कक्षा
नं 212 रकबा 0.072 हेक्टेयर, कक्षा नं 213 रकबा 0.059
हेक्टेयर, कुल रकबा 0.499 हेक्टेयर के संपूर्ण भाग, कुल रकबा
0.499 हेक्टेयर, स्थान प्रता मुजफ्फर नगर मुकामत
परजान-बिजनीर, तहसील व जिला लखनऊ, बिजनी बीडरदी
जिला है।

समझो देओ

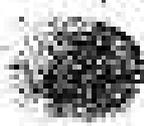
परजान

 2008



दिनांक 25/12/08





खण्ड १० ११

- उत्तर
 - दक्षिण
 - पूर्व
 - पश्चिम
- : खसरा संख्या- ६४
 - : खसरा संख्या- ३७, ३९
 - : खसरा संख्या- ५०, ५६
 - : ग्राम सोन, हरिहरपुर

खण्ड १० १४

- उत्तर
 - दक्षिण
 - पूर्व
 - पश्चिम
- : खसरा संख्या- १४३, १५०
 - : खसरा संख्या- १४३
 - : खसरा संख्या- १५२, १५४
 - : खसरा संख्या- १०५

खण्ड १० २१

- उत्तर
 - दक्षिण
 - पूर्व
 - पश्चिम
- : खसरा संख्या- २०५, २१५
 - : खसरा संख्या- २०७
 - : खसरा संख्या- २१५, २३०
 - : खसरा संख्या- २६३

स. १०५

स. १०५

स. १०५



खसरा नं० 212 व 213

| | |
|--------|-------------------------|
| उत्तर | : खसरा संख्या-214 |
| दक्षिण | : खसरा संख्या-211 व 237 |
| पूरुब | : खसरा संख्या 214 व 213 |
| पश्चिम | : खसरा संख्या-205, 206 |

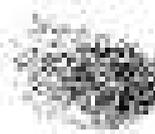
परिशिष्ट : मूगजान विवरण

1. विक्रेतागण ने रु० 1,82,000/- द्वारा चेक संख्या-453120 दिनांकित 08.08.2006 पंजाब नेशनल बैंक इजराहावा, लखनऊ जिला से प्राप्त किये।
2. विक्रेतागण ने रु० 1,82,000/- द्वारा चेक संख्या-453121 दिनांकित 08.08.2006 पंजाब नेशनल बैंक इजराहावा, लखनऊ जिला से प्राप्त किये।
3. विक्रेतागण ने रु० 1,82,000/- द्वारा चेक संख्या-453122 दिनांकित 08.08.2006 पंजाब नेशनल बैंक इजराहावा, लखनऊ जिला से प्राप्त किये।

राजदी देवी

२२

श्री. मन्मथसिंह (श्री. मन्मथसिंह)



इस प्रकार कुल विक्रय मूल्य रु 6,47,800/- (रुपय
षीस लाख सैतालिक हजार अठ सौ मात्र) विक्रेतागण को देता
से प्राप्त हुए तथा विलगी प्राप्ति विक्रेतागण स्वीकार करते हैं।

लखनऊ
दिनांक 08.06.2018

गवाह

1. अशोक कुमार शर्मा
शुभम कुमार शर्मा
सिद्धम कुमार शर्मा

2. अशोक कुमार शर्मा
शुभम कुमार शर्मा
सिद्धम कुमार शर्मा

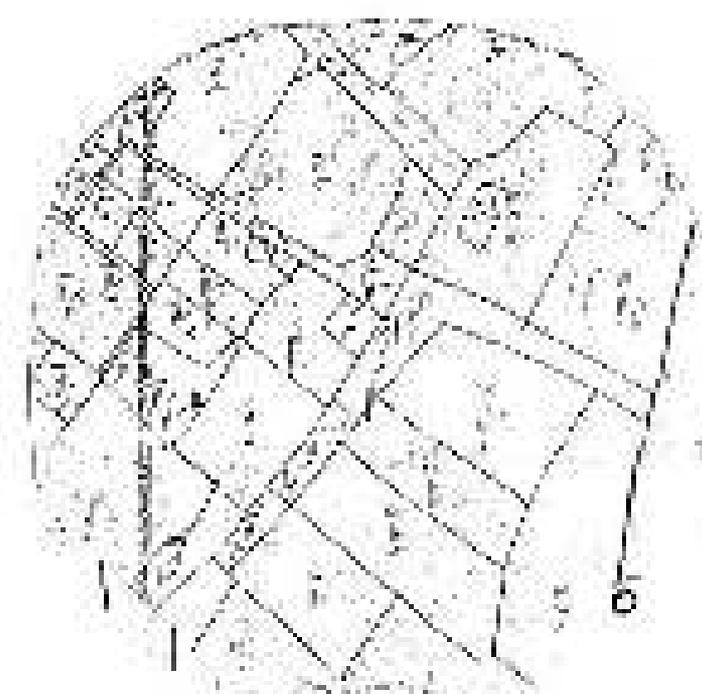
विशेषज्ञ
चन्द्रा प्रसाद
विक्रेतागण
देता

टाइपकर्ता
(रामेश शर्मा)

मसविदाकर्ता
विशेषज्ञ
(विशेषज्ञ कुमार सिंह)
एडवोकेट

Handwritten text in the upper middle section, possibly a title or introductory note.

Handwritten text below the first section, possibly providing dates or specific details.

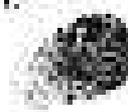


Handwritten text below the diagram, possibly a label for the diagram.

Handwritten text above the first dark smudge.



Handwritten text above the second dark smudge.



Small handwritten text below the faint diagram.





श्री २०१३ साल का प्रमाणित प्रमाणित
 १०० अक्षरों में

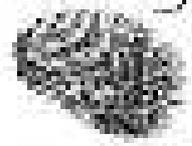
D. A. K. K. K.

अक्षर संख्या १४१, २९२, २१२, २१३
 २००१



एन. डी. ए. ए.

सि. ए. ए. ए. ए.



सि. ए. ए. ए. ए.



सि. ए. ए. ए. ए.

सि. ए. ए. ए. ए.

सि. ए. ए. ए. ए.



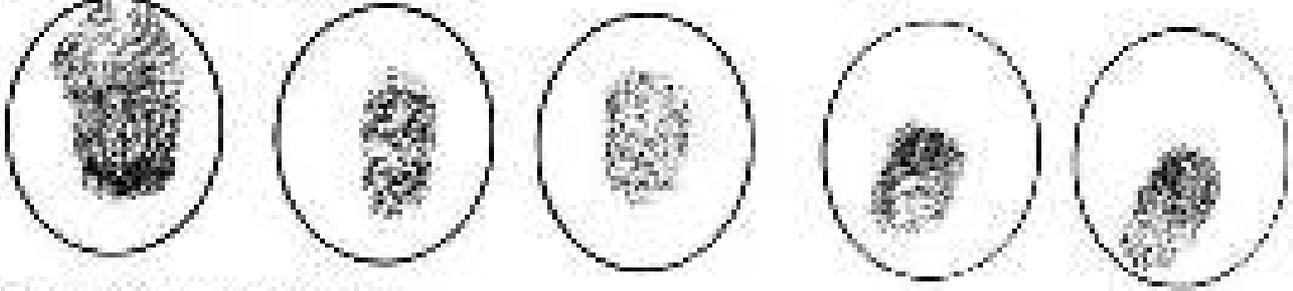
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 (3) के अनुपालन हेतु

फिंगर प्रिंटर्स

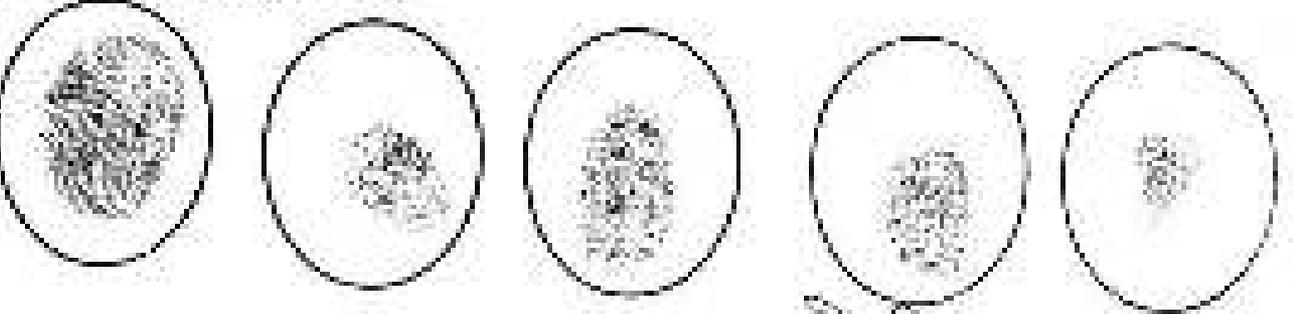
पञ्जाब न्यायालय नाम व पता :- पंजाब न्यायालय

पंजाब न्यायालय (पंजाब न्यायालय) के निम्नलिखित स्थानों पर

बाएँ हाथ की उंगलियों के निम्न :-



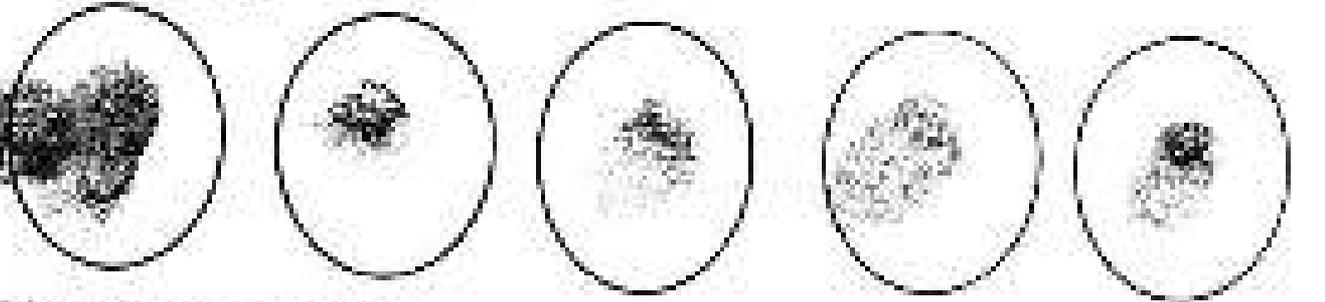
दाहिने हाथ की उंगलियों के निम्न :-



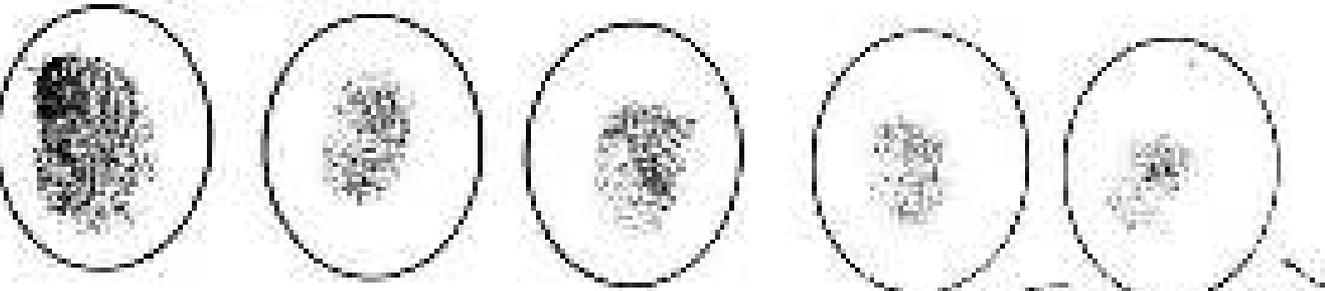
पञ्जाब न्यायालय

पञ्जाब न्यायालय नाम व पता :- पंजाब न्यायालय पञ्जाब न्यायालय (पंजाब न्यायालय) के निम्नलिखित स्थानों पर

बाएँ हाथ की उंगलियों के निम्न :-



दाहिने हाथ की उंगलियों के निम्न :-



पञ्जाब न्यायालय

पञ्जाब न्यायालय के निम्नलिखित स्थानों पर

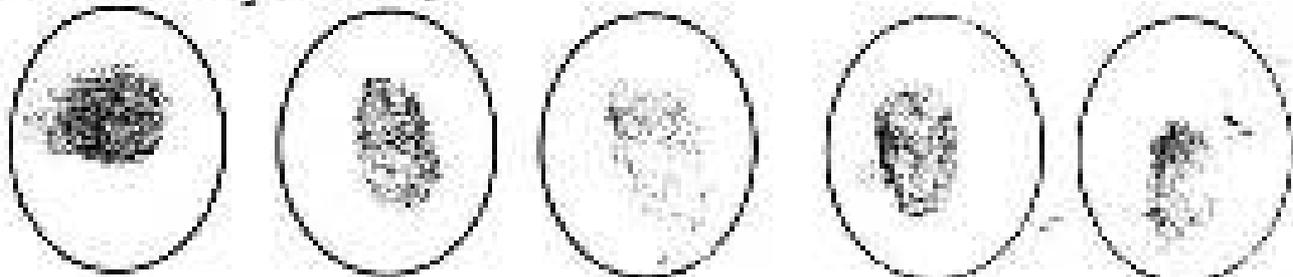
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 (3) के अनुपालन हेतु

फिंथर्स प्रिन्टर्स

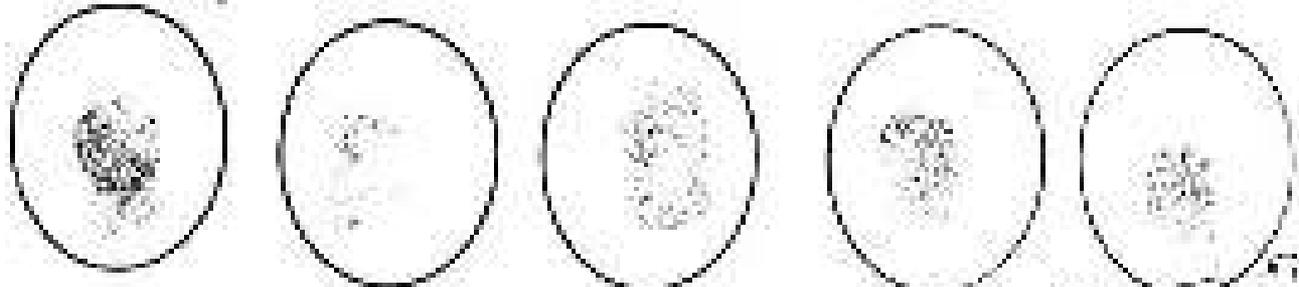
पंजीकृत/विद्यमान नाम व पता - श्री. ए.के. सिंह

श्री. ए.के. सिंह, 101, बंगला, दिल्ली-110001

सर्वे हाथ की की अंगुलियों के चित्र :-



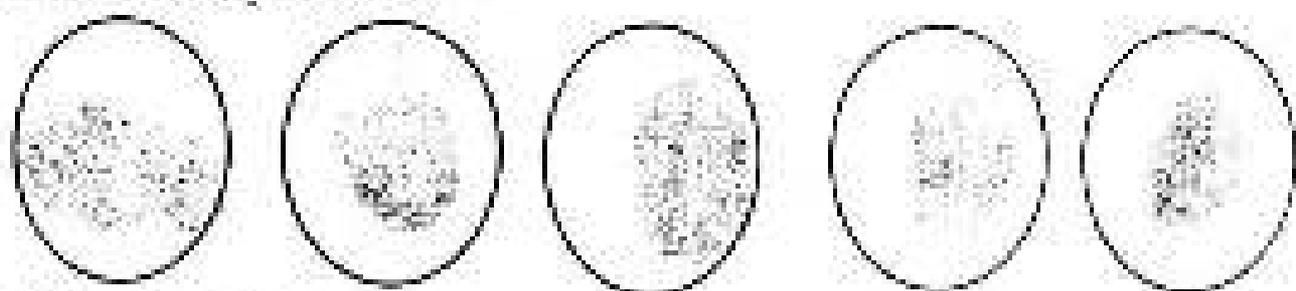
बायें हाथ की अंगुलियों के चित्र :-



पंजीकृत/विद्यमान नाम व पता श्री. ए.के. सिंह पंजीकृत/विद्यमान स्थान के अनुसार

श्री. ए.के. सिंह, 101, बंगला, दिल्ली-110001

बायें हाथ की की अंगुलियों के चित्र



दायें हाथ के अंगुलियों के चित्र

